UGC NET

Fillerform Live NTA UGC NET 2022

हिंदी साहित्य

DAILY 12:00

इकाई-1 (भाग-10)

हिंदी की स्वनिम व्यवस्था :

खंड्य और खंडयेतर

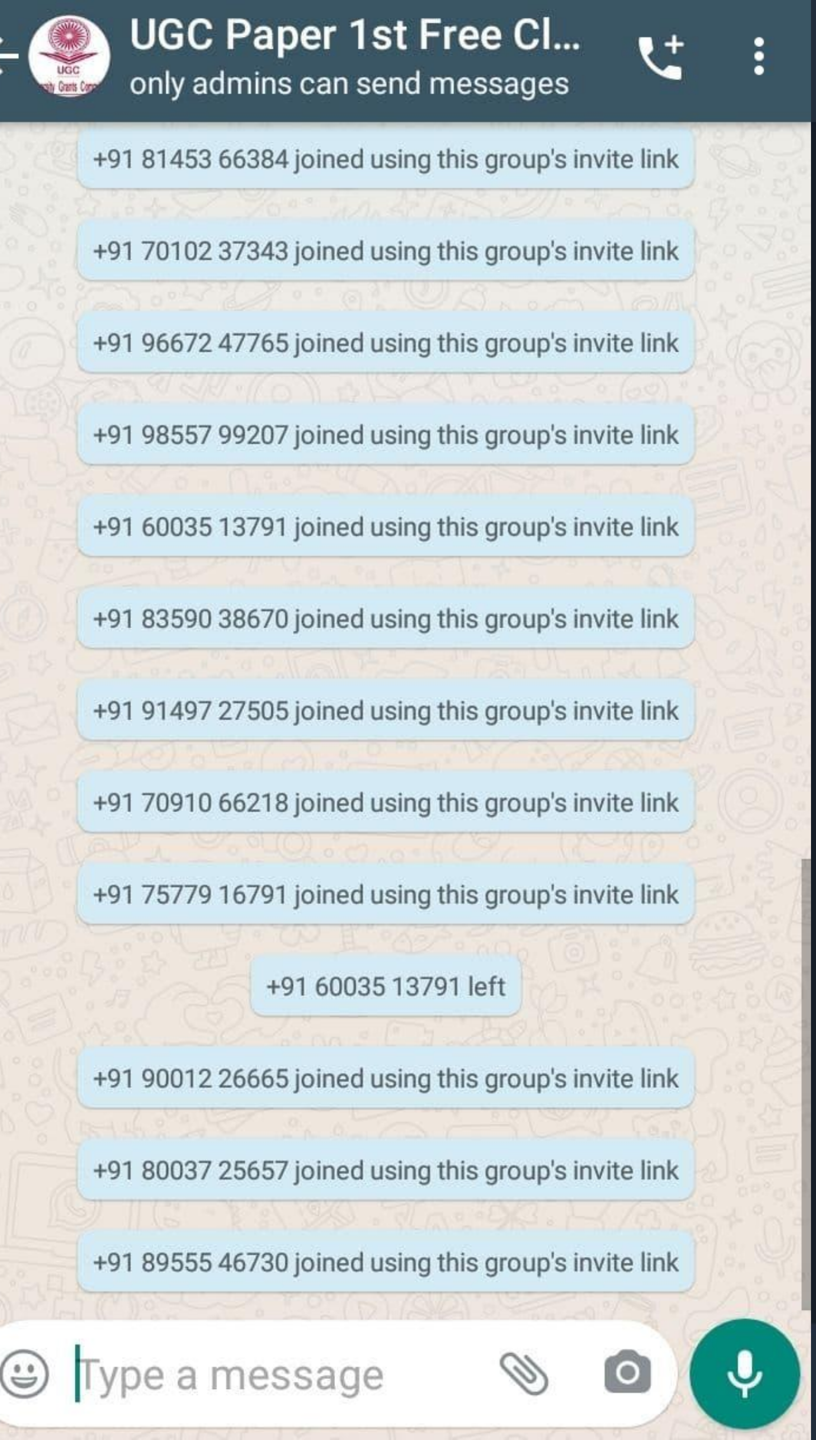
UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages
+91 81453 66384 joined using this group's invite link
+91 70102 37343 joined using this group's invite link
+91 96672 47765 joined using this group's invite link
+91 98557 99207 joined using this group's invite link
+91 60035 13791 joined using this group's invite link
+91 83590 38670 joined using this group's invite link
+91 91497 27505 joined using this group's invite link
+91 70910 66218 joined using this group's invite link
+91 75779 16791 joined using this group's invite link
+91 60035 13791 left
+91 90012 26665 joined using this group's invite link
+91 80037 25657 joined using this group's invite link
+91 89555 46730 joined using this group's invite link
Type a message

UGC Paper 1st Free Cl...
120 subscribers
December 28
Channel created
Channel photo changed
UGC
Broadcast
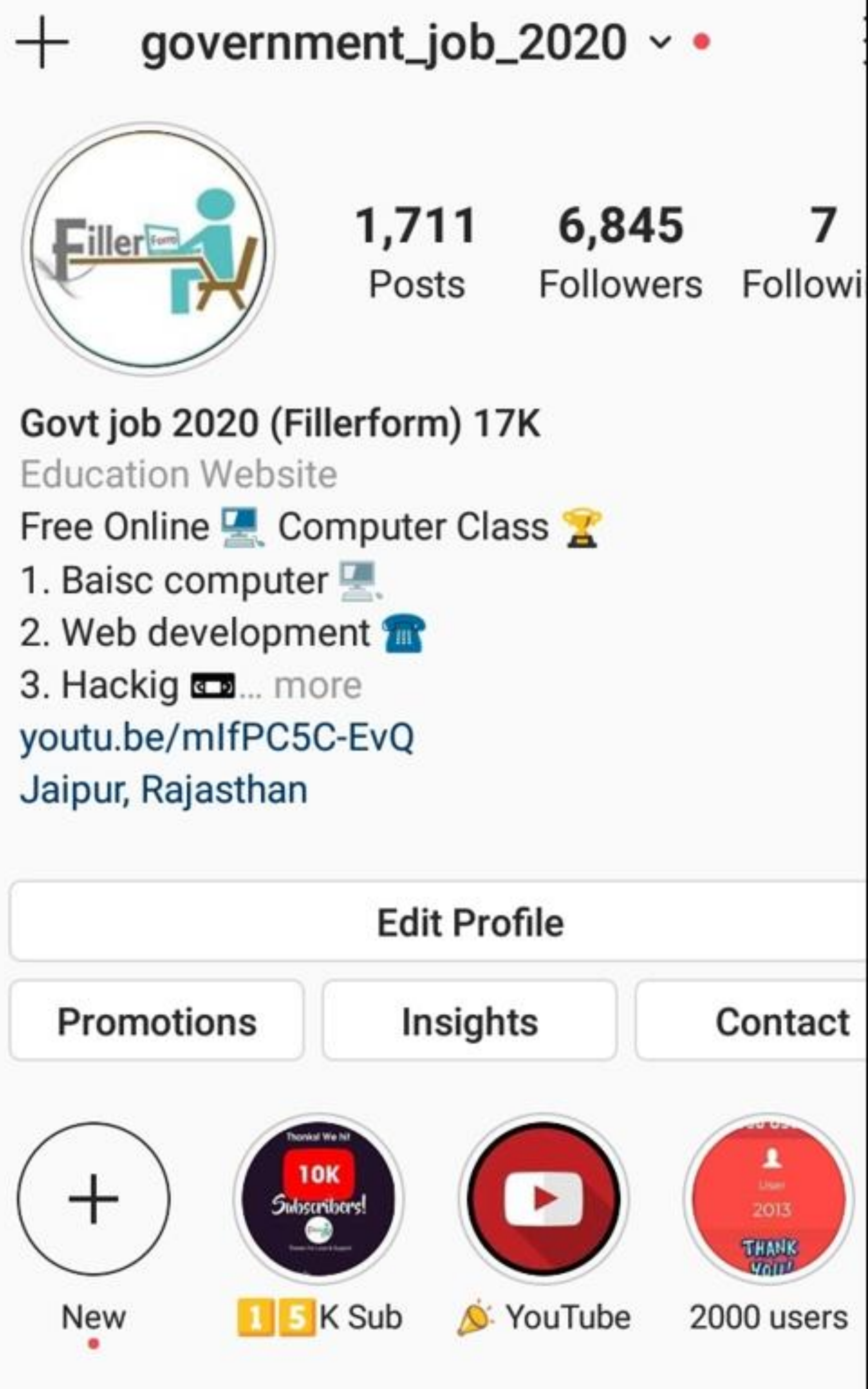
government_job_2020
1,711
Posts
6,845
Followers
7
Followi
Govt job 2020 (Fillerform) 17K
Education Website
Free Online Computer Class
1. Baisc computer
2. Web development
3. Hackig ... more
youtu.be/mIfPC5C-EvQ
Jaipur, Rajasthan
Edit Profile
Promotions
Insights
Contact
New
15K Sub
YouTube
2000 users

UGC NET 100% Off Free Class

Free Notes

Live Class

5000+MCQ+PYQ

Free Books

100% OFF

fillerform

NET Free Class

09:00 AM- GK Class
11:00 AM- Paper 1st
12:00 PM - Hindi 2nd
01:00 PM- History 2nd
02:00 PM- Paper 1st MCQ
03:00 PM- Commerce 2nd
06:00 PM- Sanskrit 2nd
08:00 PM - Computer 2nd
09:00 PM- Paper 1st DI

Fillerform

UGC-NET 2022

MAR 7

1st Paper Free Class

Online Live Class

Paper 1st-MCQ/PYQ
07 March || 02:00 PM

Online Live Class

Maths, Reasoning and DI
07 March || 9:00 PM

www.ugc-net.com
fillerform 8209837844

8209837844

हिन्दी सिलेबस

www.ugc-net.com

इकाई - I

हिन्दी भाषा और उसका विकास।

हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएं, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएं– पालि, प्राकृत – शौरसेनी, अर्द्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएं, अपभ्रंश अवहठ, और पुरानी हिन्दी का संबंध, आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएं और उनका वर्गीकरण। हिन्दी का भौगोलिक विस्तार : हिन्दी की उपभाषाएं, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी वर्ग और उनकी बोलियां। खड़ीबोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएं। हिन्दी के विविध रूप : हिन्दी, उर्दू, दक्खिनी, हिन्दुस्तानी। हिन्दी का भाषिक स्वरूप : हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था – खंड्य और खंड्येतर, हिन्दी ध्वनियों के वर्गीकरण का आधार, हिन्दी शब्द रचना –उपसर्ग, प्रत्यय, समास, हिन्दी की रूप रचना – लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के सन्दर्भ में संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रुप, हिन्दी – वाक्य – रचना। हिन्दी भाषा – प्रयोग के विविध रूप : बोली, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा और सम्पर्क भाषा। संचार माध्यम और हिन्दी, कम्प्यूटर और हिन्दी, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति। देवानागरी लिपि : विशेषताएं और मानकीकरण।

हिंदी का भाषिक स्वरूप

हिंदी की स्वनिम व्यवस्था :

खंड्य और खंडयेतर

8209837844

हिंदी की स्वनिम व्यवस्था :

www.ugc-net.com

खंड्य और खंड्येतर

भाषा मनुष्य के बीच परस्पर संप्रेषण का एक माध्यम है जनमाध्यम के द्वारा मनुष्य अपने विचारों और भावों को लिखकर या बोलकर प्रकट करता है उसे भाषा कहते हैं भाषा के मुख्यता 4 तत्व होते होते हैं।

1)ध्वनि। 2)शब्द(पद)

3)वाक्य 4)अर्थ

8209837844

www.ugc-net.com

*स्वनिम(phoneam) किसी भाषा विशेष से संबंध लघुत्तम सार्थक ध्वनि है यह समान ध्वनियों का प्रतिनिधित्व करती है।

स्वनिम के प्रकार(स्वनिम व्यवस्था)

- खण्डय
  - स्वर
  - व्यंजन
- खण्डयेतर
  - सुर
  - अनुतान
  - बलाघात्
  - अनुनासिकता
  - संगम

*खण्डय मे स्वर और व्यंजन आते है ,क्योंकि उनको पृथक-पृथक किया जा सकता है।

वर्णमाला (स्वनिम व्यस्था)

स्वर

ऐसी ध्वनियां जिनके उच्चारण के लिए किसी अन्य दुनिया वर्ण की आवश्यकता ना हो उसे स्वर्ग कहते हैं|

स्वर - अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ -11

अयोगवाह:-अं , अः - 2

व्यंजन

ऐसे वर्ण जिनके उच्चारण के लिए अन्य वर्ण यह स्वर की आवश्यकता पड़ती है उसे व्यंजन कहते हैं

(25)

क ख ग घ ङ

च छ ज झ ञ

ट ठ ड ढ ण

त थ द ध न

प फ ब भ म

य र ल व (अंतस्थ) 4

श ष स ह (उष्मीय) 4

Total = 33

सयुंक्त व्यंजन:-क्ष,त्र,ज्ञ,श्र|

8209837844

www.ugc-net.com

स्वरों की संख्या 11

स्वरों के भेद

ह्रस्व स्वर

(मूल स्वर):- आ,इ, उ,ऋ (4)ऐसे स्वर जिनके उच्चारण में बहुत कम समय लगता है ह्रस्व स्वर कहलाते है।

दीर्घ स्वर

आ,ई,ऊ ,ए,ऐ,ओ,औ(7) ऐसे स्वर जिनके उच्चारण में ह्रस्व से दुगुना समय लगता है।

प्लुत स्वर

ओ३म, राम३३ , ओमsss ,रामss ऐसे स्वर जिनके उच्चारण में ह्रस्व से तीन गुना समय लगता है।

अयोगवाह :- (स्वर,व्यंजन से अलग वर्ण)

अं- अनुस्वार अः - विसर्ग

ये न तो स्वर है न ही व्यंजन परंतु ये स्वर के सहारे चलते है। इनका प्रयोग स्वर ओर व्यंजन दोनो के साथ होता है।

1.प्रयत्न के आधार पर

1)(जीभ की क्रियाशीलता के आधार पर स्वर के भेद):- 03 भेद

अग्र स्वर:- जिन स्वरों के उच्चारण में जीभ का अगला भाग ऊपर नीचे उठता है ,अग्र स्वर कहलाते है।जैसे:- इ, ई,ए, **ऐ**

पश्च स्वर:- जिन स्वरों के उच्चारण में जीभ का पिछला भाग थोड़ा उठता है।Ex:- आ,औ,उ,ऊ,

मध्य स्वर:- इसका उच्चारण जीभ के मध्य भाग से थोड़ा सा ऊपर उठता है।Ex- अ

8209837844

www.ugc-net.com

2)मुखाकृति के आधार पर स्वर:-

संवृत:- इनके उच्चारण में मुह का द्वार लगभग बंद रहता है Ex- इ, ई, उ,ऊ

अर्द्ध संवृत:- जिनके उच्चारण में मुँह संवृत से अधिक खुलता है|Ex:- अ, ऐ, औ

विवृत:- जिन स्वरों के उच्चारण में मुख अधिक खुलता है| Ex:- आ

अर्द्ध विवृत:- जिन स्वरों के उच्चारण में मुख आधा खुलता है|Ex- अ, ए, औ

3)ओष्ठाकृति के आधार पर स्वर:-

वृताकार:- इनके उच्चारण में होठों की आकृति वृत के समान होती है|Ex:- उ,ऊ,ओ,औ

अवृताकार:- इनके उच्चारण में होठों की आकृति वृताकार नहीं होती है Ex:- अ , आ, इ, ई,ए,ऐ

उदासीन स्वर:-जिनके उच्चारण ने कोई आकर नही बनता Ex:-अ

स्वर

- **उत्पति के आधार पर स्वर** कितने प्रकार के होते है|:-03(अ, इ, उ)
- **उत्पति के आधार पर दीर्घ स्वर**:- आ,ई,ऊ

व्यंजन

क वर्ग-(कंठ) क ख ग घ ङ
च वर्ग- (तालव्य) च छ ज झ ञ
त् वर्ग -(दंत्य) त थ द ध नप
वर्ग- (ओष्ठ्य) प फ ब भ म
अर्ध स्वर:- य , व
अंतस्थ व्यंजन:- य,र,ल,व
(अंतकरण से उच्चारित होने वाले व्यंजन)
उष्मीय व्यंजन:- श ष स ह
(उच्चारण म् गर्म हवा का निकलना)
संयुक्त व्यंजन:- दो व्यंजनों का संयुक्त रुप
Ex क्ष-क्+ ष , त्र -त्+ र , ज्ञ -ज्+ञ , श्र- श्+र

8209837844

नोट

www.ugc-net.com

- वत्स्र्य(दंत+मसूड़ा):- स,र ,ल
- मूर्धन्य:-ष
- स्वरयंत्रीय(कंठ के भीतर से)- ह
- काकल्य वर्ण-ह
- उत्क्षिप्त(तडागजात):- ड़,ढ़
- स्पर्शी व्यंजन:- क वर्ग से म वर्ग तक।
- च वर्ग:- को स्पर्शी संघर्षी कहा जाता है।
- दंत्योष्ठय(दंत+ ओष्ठ):- व
- नासिक्य:- वायु नाक से आती है।(ङ,ञ,ण,न,म)
- लुंठित व्यंजन:- र
- पार्श्विक व्यंजन:- ल

स्वर तंत्रियों में उत्पन्न कंपन के आधार पर व्यंजन

सघोष(घोष)

जिनके उच्चारण करने पर कंठ में कंपन होता है।
(प्रत्येक वर्ग के 3,4 और 5 वर्ण तथा ड़,ढ़,ज़,य ,र,ल,व,ह)
सभी स्वर सघोष होते है।

अघोष

जिनके उच्चारण में कंठ में कोई भी कंपन नही होता है अघोष कहलाते है।
(प्रत्येक वर्ग के 1,2 वर्ण तथा श,ष,स,फ़ अघोष है।)

घोष (संघोष)

क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)

* सभी स्वर घोष होते हैं।
* ड़, ढ़, ज्ञ, य, र, ल, व, ह

प्रत्येक वर्ग का (3), (4) और पाँचवा वर्ण घोष (सघोष) होता है।

अघोष (व्यंजन)

क वर्ग	क	ख	ग	घ	ङ
च वर्ग	च	छ	ज	झ	ञ
ट वर्ग	ट	ठ	ड	ढ	ण
त वर्ग	त	थ	द	ध	न
प वर्ग	प	फ	ब	भ	म
	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)

वर्गों के पहला-दूसरा वर्ण अघोष होता है। (फ़, श, ष, स)

अल्पप्राण व्यंजन:-

जिनके उच्चारण में सीमित वायु निकलती है।
(प्रत्येक वर्ग में 1,3,और 5)(य,र,ल,व,ड़,ज़)

महाप्राण व्यंजन:-

ये अधिक वायु प्रवाह से बोले जाते है।
(प्रत्येक वर्ग द्वितीय व चतुर्थ वर्ण तथा उष्म वर्ण(श, ष, स)) आते है

अल्पप्राण

कवर्ग-	क	ख	ग	घ	ङ
चवर्ग-	च	छ	ज	झ	ञ
टवर्ग-	ट	ठ	ड	ढ	ण
तवर्ग-	त	थ	द	ध	न
पवर्ग-	प	फ	ब	भ	म
	1		3		5

क ख ग घ ङ अल्पप्राण
1 2 3

प्रत्येक वर्ग का 1, 2, 3 वर्ण अल्पप्राण होता है। (य, र, ल, व, ड़)

महाप्राण

कवर्ग-	क	ख	ग	घ	ङ
चवर्ग-	च	छ	ज	झ	ञ
टवर्ग-	ट	ठ	ड	ढ	ण
तवर्ग-	त	थ	द	ध	न
पवर्ग-	प	फ	ब	भ	म
		2		4	

महाप्राण
क ख ग घ ङ

(प्रत्येक वर्ग का 2, 4 वर्ण महाप्राण होता है। और (श, ष, स, ह्र, ढ़)

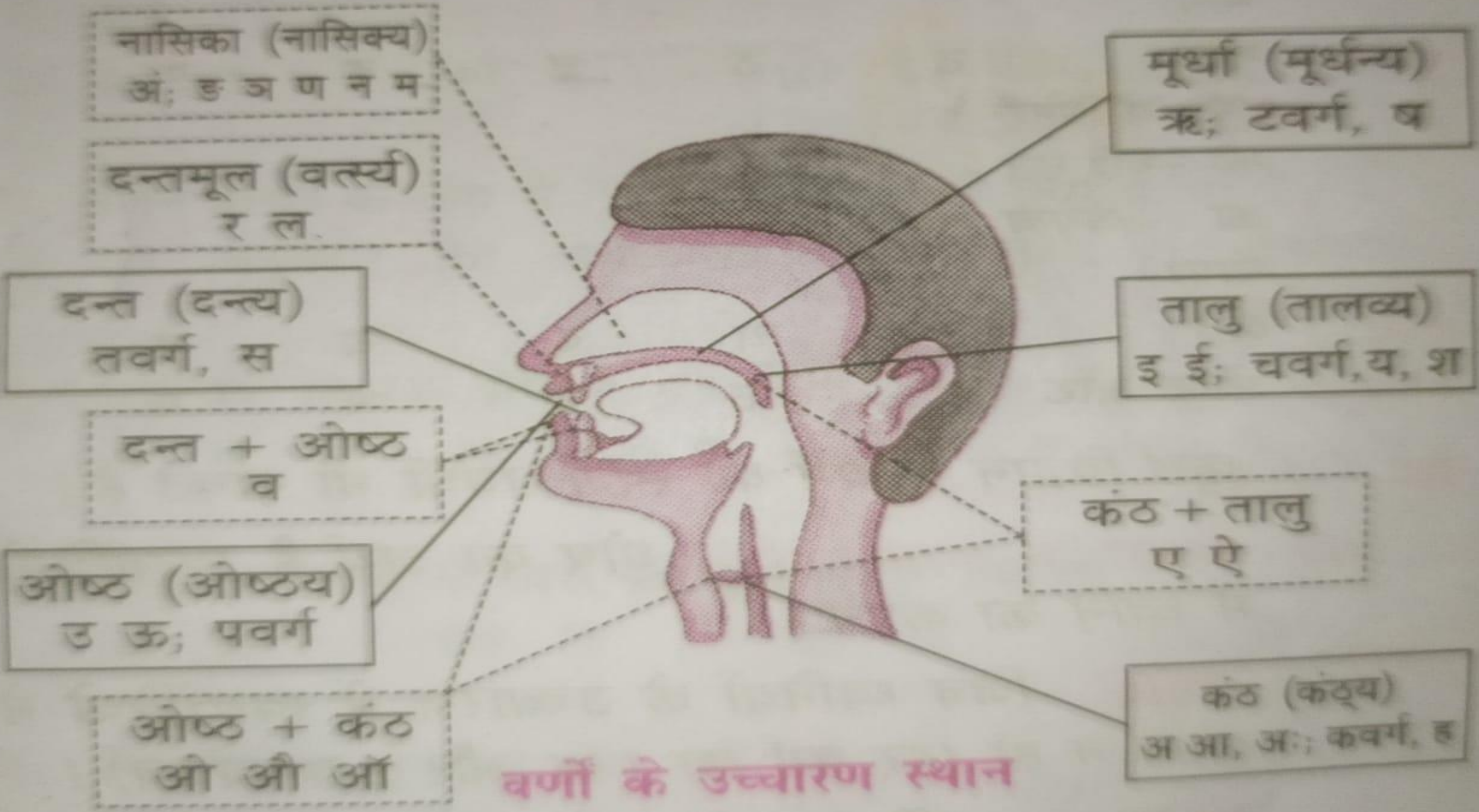

वर्णों के उच्चारण स्थान

प्रश्न :- जिन शब्दों के अंत में 'अ' आता है उन्हें क्या कहते हैं?

1. अनुस्वार
2. अयोगवाह
3. अंत: स्थ
4. अकारांत

For More Information

8209837844

www.ugc-net.com

/Fillerform /Fillerform /Fillerform

info@fillerform.com